ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
कांके रांची, झारखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 20-02-2026

बोकारो(झारखण्ड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-02-20 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-02-21	2026-02-22	2026-02-23	2026-02-24	2026-02-25
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.7	0.4
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	32.4	32.6	32.8	32.7
न्यूनतम तापमान(से.)	17.5	18.2	17.2	18.5	18.6
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	55	54	53	53	58
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	17	19	18	19	19
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.4	6.3	4.3	1.1	3.1
पवन दिशा (डिग्री)	313	257	265	288	249
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	0	2	2
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

आने वाले दिनों में आसमान साफ़ रहेंगे और बारिश की कोई संभावना नहीं है। तापमान में बढ़ोतरी के आसार है और हवा की गति सामान्य रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कोई चेतावनी नहीं

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

NIL

सामान्य सलाहकार:

मिट्टी का तापमान बनाए रखने के लिए सब्जियों की नर्सरी के ऊपर कम लागत वाले पॉलिथीन कवर या पुआल आदि का उपयोग करें। आने वाले दिनों में रात के तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने की वजह से रबी की फसलों और सब्जियों में चूसने वाले कीड़े, लीफ ब्लाइट, पाउडरी मिल्ड्यू लगने का खतरा है, फसलों और सब्जियों पर नज़र रखें, अगर लक्षण दिखें तो पौधों को बचाने के उपाय करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आम तथा लीची के फसल मे फूल तथा फलों के गिरने को रोकने के लिए किसान भाई एनएए (25 पीपीएम) का छिड़काव 3 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के साथ करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	देर से बोई गई 50-60 दिन की सरसों की फसल में एक सिंचाई की जरूरत है. सल्फर की कमी को पूरा करने के लिए प्रति एकड़ 200 ग्राम सल्फर डालें।
गेहूँ	गेहूं के पौधे में लूज़ स्मट (अनावृत्त कण्ड) का प्रकोप देखा जा सकता है, अगर दिखे, तो प्रकोप वाले पौधे को काटकर खेत से हटा दें। अगले साल से बीज बदलें और बुवाई से पहले हमेशा बीजों का उपचार करें।
अरहर (लाल चना/अरहर)	अरहर में फली छेदक की निगरानी के लिए, किसान भाई हर एकड़ में 5-6 फेरोमोन ट्रैप लगाएं, अगर आबादी आर्थिक सीमा से ऊपर है, तो बैसिलस थुरिंजिएंसिस (Bt) (400-500 gm प्रति एकड़) या नीम सीड कर्नेल एक्सट्रैक्ट (NSKE 5%) डालें।
मक्का	मक्का की फसल जो घुटनों तक (30 दिन पुरानी) या धनबाल की अवस्था में हो उनमे सिचाई के पश्चात 26 किलोग्राम प्रति एकड़ यूरिया का भुरकाव करें। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मक्के में तना छेदक कीट के बचाव के लिए क्लोरेंट्रानिलिप्रोएल 18.5% SC @ 150 ml प्रति हेक्टेयर का स्प्रे करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज की जड़ें कम गहरी होती हैं, इसलिए इसे अच्छी ग्रोथ और बल्ब के विकास के लिए मिट्टी में सही नमी बनाए रखने के लिए बार-बार हल्की सिंचाई की ज़रूरत होती है। रबी की फसल को मिट्टी की नमी की स्थिति के आधार पर 7-10 दिनों के अंतराल पर 10-15 सिंचाई की ज़रूरत होती है।
टमाटर	मौजूदा मौसम की स्थिति में टमाटर में पिछेती झुलसा रोग का प्रकोप हो सकता है। टमाटर में पिछेती झुलसा रोग के प्रबंधन के लिए मेटालैक्सिल 8% + मैंकोजेब 64% W.P @ 400- ग्राम/एकड़ की दर से 10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
पौध - संरक्षण	कद्दूवर्गीय फसल में लाल कद्दू गुबरैला कीट के प्रकोप की संभावना है। अगर इनके प्रकोप दिखाई दे तो मिथाइल डेमेटोन 25 ई.सी. का छिड़काव 500 मिलीलीटर प्रति लीटर हैक्टर के दर से करें।
कृषि क्षेत्र	हवा के तापमान में वृद्धि के बाद 05-10 सेमी की गहराई पर मिट्टी के तापमान में वृद्धि होती है, जिससे कंद की उपज में भारी कमी आएगी, इसलिए किसानों को मिट्टी के तापमान को बनाए रखने के लिए मिट्टी में पलवार डालना चाहिए और बार-बार सिंचाई करनी चाहिए।
कृषि क्षेत्र	पपीता, अमरूद, आम, लीची तथा अन्य पुष्पित पौधों में चुर्णी बग (यह छोटे - छोटे धूसर रंग के कीड़े होते हैं, जिनके शरीर पर रूईनुमा चूर्ण चिपका होता है) कीड़ों का अगर आक्रमण हो रहा हो तो पौधे के जड़ के नजदीक मिट्टी को कोड़कर क्लोरपाइरीफॉस कीटनाशी दवा का घोल (4 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से) बनाकर अच्छी तरह से भीगो दें, साथ ही साथ इसी दवा का छिड़काव (2 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से) पौधे पर भी साफ मौसम देखते हुए करें तथा दवा छिड़काव के 15 दिनों बाद ही फल को तोड़े।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

NIL

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

NIL

Farmers are advised to download Unified ‘Mausam’ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details